Raj Express (Indore), 26th October 2025, Page – 04

करियर

वर्ष 2026 में इसे और भी बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है

जेईई में दिव्यांग विद्यार्थियों को मिल सकते हैं सुलभ केंद्र

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर सहित देशभर के तमाम आईआईटी, एनआईटी, आईट्रिपलई सहित अन्य इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश की पहली सीढ़ी है जेईई मेन। एनटीए की ओर से जेईई मेन-2026 की तारीख घोषित की गई है। साल में दो बार होने वाली जेईई मेन का पहला सेशन 21 से 30 जनवरी के बीच और दूसरा सेशन 1 से 10 अप्रैल के बीच प्रस्तावित है। एक्सपर्ट के अनुसार इस बार दिव्यांग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को देखते हुए बेहतर सुविधाएं देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में दिव्यांग विद्यार्थियों को दिव्यांग सुलभ परीक्षा केंद्र/ शहर आवंटित करने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि जेईई मेन जनवरी 2025 में भी इस प्रकार का प्रयास किया गया था, लेकिन वर्ष 2026 में इसे ओर भी बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है।

बढ़ाई जाएगी परीक्षा केंद्रों की संख्या: इस बार आधार प्रमाणीकरण से जेईई मेन में आवेदन किए जाएंगे। एनटीए की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया इसी महीने से जल्दी शुरु की जाएगी। दूसरे सेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जनवरी में की जाएगी। एक्सपर्ट एस.एस. रघुवंशी ने बताया एनटीए ने इस बार जेईई मेन के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसमें परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ दिव्यांग विद्यार्थियों की विशेष जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है, ताकि सभी आसानी से परीक्षा दे सकें। एनटीए, आधार प्रमाणीकरण के जरिए यूआईडीएआई से विद्यार्थी का नाम, जन्म तारीख, लिंग, फोटो और पता प्राप्त करेगा। आधार में कोई बदलाव करवाने के लिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे यूआईडीएआई के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

केमेस्ट्री से हो सकती है राह आसान: जेईई मेन में इस बार %यादा विद्यार्थी बैठ पाएंगे इस बदलाव को लेकर एक्सपर्ट और विद्यार्थी भी खुश है। जेईई मेन पास करने वाले एनआईटी व आईआईटी इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी के कोर्स ऑफर करते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार मेन में बारहवीं बोर्ड का 40 फीसदी और बाकि का 60 फीसदी वेटेज लिया जा सकता है। इसके बाद नॉर्मलाइजेशन के कठिन फॉर्मूले से रैंक तय की जाती हैं। जेईई दो चरणों वाली परीक्षा हैं। पहला स्टेज जेईई मेन, जो एनआईटी व आईआईटी के बी टेक कोर्स के लिए गेटवे है। इसके अलावा जेईई मेन को पास करने वाले टॉप-ढाई लाख विद्यार्थी जेईई एडवांस के एंट्रेंस एक्जाम के लिए योग्य होते हैं। जेईई एडवांस आईआईटी के बीटेक कोर्सेस के लिए गेटवे है। दरअसल केमेस्ट्री का पेपर कुछ सालों में फिजिक्स और मैथ्स के मुकाबले आसान आया है और यही ट्रेंड इस साल भी फॉलों हो सकता है। इसलिए विद्यार्थी केमेस्ट्री के लिए 11वीं और 12वीं की एनसीईआरटी को तैयार कर लें, ताकि स्कोर बढ़ाया जा सकें।

ऑप्शनल सब्जेक्ट्स पर दें ध्यान

एक्सपर्ट के अनुसार विद्यार्थी हिंदी, इंग्लिश और अन्य ऑप्शनल सब्जेक्ट्स पर ध्यान नहीं देते है, जिसकी वजह से 12वीं का स्कोर कम हो जाता है। यदि मुख्य विषयों के अलावा चुने गए विषयों पर भी फोकस करें तो बोर्ड का स्कोर बढ़ाया जा सकता हैं। जेईई एडवासं पास करने के बाद उनका 12वीं का स्कोर भी देखा जाएगा, जो 75 फीसदी या उससे अधिक होना अनिवार्य रहा है।